B- 3 & 4
L - 06
Gn. Gn.

पृथ्वी की आंतरिक संरचना

पृथ्वी की उत्पत्ति :-

3 अहम प्रक्रिया

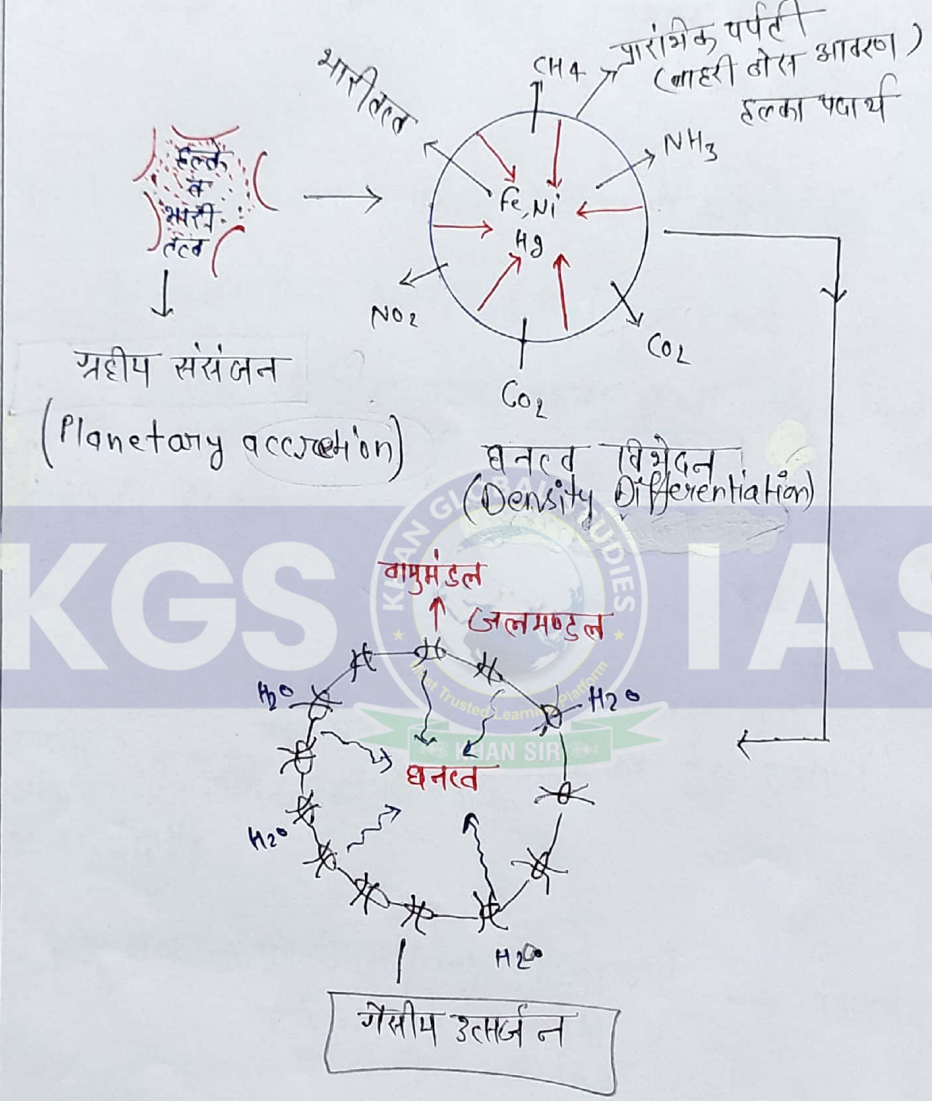

भूगोल → पृथ्वी की सतह का अध्ययन

भूगर्भशास्त्र → पृथ्वी की आंतरिक संरचना का अध्ययन

Scanned by CamScanner

→ पृथ्वी एक ठोस चट्टान / पत्थर है।

→ ज्वालामुखी उद्गार → तरल लावा।

→ अनुमान - पृथ्वी के अंदर तापमान अधिक।

पृथ्वी के अंदर का तापमान अधिक दो कारणों से है:-

1. अवशिष्ट ऊष्मा (Ruidual Heat)
2. रेडियोधर्मिता जनित ऊष्मा (Radioactive Heat)

1.) पृथ्वी की उत्पत्ति :- ग्रहीय संसंजन → पृथ्वी पिघली हुई बहुत गर्म थी।

बाहरी आवरण ← ठंडा होकर ठोस हुआ।

प्रारम्भिक ← पर्पटी का निर्माण

इसके अन्दर ऊष्मा बंद है।

2.) बड़े अणु → यूरेनियम / थोरियम → रेडियोधर्मी पदार्थ का विखंडन → आल्फेर ऊर्जा

Scanned by CamScanner

पृथ्वी की आंतरिक संरचना के स्त्रोत

प्रत्यक्ष

1. खुदाई (खनन)
   ↓
   सीमित - 12 km

   समुद्र तल Drilling
   ↓
   सीमित

2. ज्वालामुखी उद्गार

अप्रत्यक्ष

(i) घनत्व / गुरुत्व मे अंतर (अनुमान)

(ii) चुम्बकत्व अंतर अनुमान

(iii) पृथ्वी पर गिरने वाले उल्कापिण्ड

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Trusted Learning Partner
KHAN SIR

भूकम्प - पृथ्वी की स्थलमंडलीय चट्टानों का कम्पन
भूकंप कहलाता है।

→ ऊर्जा सृजन के कारण

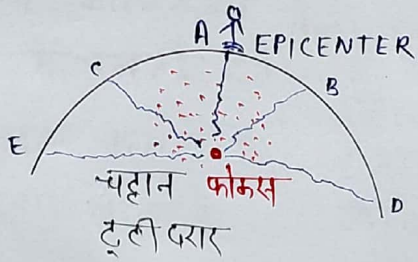

1. Focus → उत्पत्ति
   Epicenter → फोकस के समीप

Scanned by CamScanner

2.) तरंग - मंत्र सिस्मोग्राफ / भूकंप मापी मंत्र

तरंग - भूकम्पीय तरंग

- (A) कायिक तरंग (Body wave)
  - P-wave प्राथमिक तरंग
  - S-wave द्वितीयक तरंग
- (B) सतही तरंग (Surface wave)
  - R तरंग / रेली (Rayleigh)
  - L तरंग लौंव (Love)

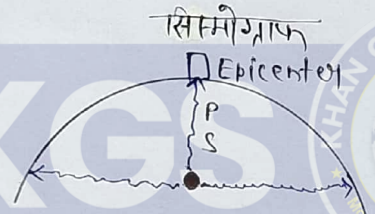

P तरंग — प्राथमिक

(i) ये सर्वप्रथम आने वाली तरंग

(ii) सबसे तेजगति से

(iii) ठोस व तरल दोनों माध्यमों में प्रवाहित होती हैं।

(iv) जब दो अलग-अलग घनत्व के माध्यम से गुजरती है तो इसका दिशा परिवर्तन होता है।

S तरंग — द्वितीयक

(i) P तरंग के बाद आती है।

(ii) गति में कम और केवल ठोस माध्यम में चलती है।

(iii) माध्यम / घनत्व बदलने पर इसमें भी दिशा परिवर्तन होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner